सच कहने की ताकत

जालंधर ब्रीज

साप्ताहिक समाचार पत्र

• JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-2 • 28 OCTOBER TO 3 NOVEMBER 2020 • VOLUME- 14 • PAGES- 4 • RATE- 3/- • www.jalandharbreeze.com • RNI NO.:PUNHIN/2019/77863

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

STUDY, WORK & SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges &
*Pay money after the visa
IELTS | STUDY ABROAD

CANADA AUSTRALIA USA
U.K SINGAPORE EUROPE

E-mail : ankush@innovativetechin.com • hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10, Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. • HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza, GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.
*T&C apply

राहुल ने पीएम मोदी पर साधा निशाना, बोले- अपने भाषणों में वह बेरोजगारी पर कुछ नहीं बोलते

• बाल्मिकीनगर/ब्यूरो

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि अपने भाषणों में वह दूसरे देशों की बात करते हैं लेकिन अपने देश के समक्ष पेश आ रही बेरोजगारी जैसी समस्याओं पर कुछ नहीं बोलते। अपने दूसरे चरण के चुनाव प्रचार अभियान के तहत पश्चिमी चंपारणके बाल्मिकीनगर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने बेरोजगारी और पलायन के मुद्दे पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी घेरा। राहुल गांधी ने हाल ही में बने कृषि कानूनों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि आमतौर पर दशहरे में रावण, कुंभकर्ण, मेघनाद के पुतले जलाए जाते हैं, लेकिन पंजाब में इस बार प्रधानमंत्री और अंबानी, अडाणी के पुतले जलाए गए।

उन्होंने कहा कि इस बार पूरे पंजाब में दशहरे पर रावण नहीं, नरेंद्र मोदी, अंबानी और अडाणी का पुतला जलाया गया। राहुल ने कहा, '' ये दुख की बात है, लेकिन ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि किसान परेशान हैं।'' उन्होंने केंद्र एवं बिहार सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज गन्ना किसान सहित हर किसान समझता है कि चाहे वह कुछ कर ले, उसे उत्पाद का उचित मूल्य नहीं मिल सकता। पलायन का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि यहां के लोग अपने प्यारे प्रदेश को छोड़कर जाने को मजबूर हैं, ये लोग बेंगलूर, दिल्ली, मुम्बई जाते हैं लेकिन अपनी खुशी से नहीं जाते हैं। उन्होंने कहा कि यहां के लोग प्रदेश छोड़कर जाने को मजबूर हैं क्योंकि बिहार को नष्ट कर दिया गया है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर झूठ बोलने का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने दो करोड़ रोजगार की

बात कही थी लेकिन क्या रोजगार मिला? राहुल ने कहा कि अब अगर प्रधानमंत्री मोदी यहां आकर दो करोड़ रोजगार की बात बोल दें तो शायद भीड़ उन्हें भगा देगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री हर तरह की बात करते हैं, दूसरे देशों की बात करते हैं लेकिन देश की सबसे बड़ी समस्या, बेरोजगारी के बारे में बात नहीं करते। राहुल गांधी ने रोजगार का मुद्दा उठाते हुए कहा कि बिहार के लोगों को दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, बेंगलुरु में रोजगार मिलता है लेकिन बिहार में नहीं मिलता और यह नीतीश कुमार और नरेंद्र मोदी की कमी है।

कांग्रेस नेता ने कहा, '' हम रोजगार देना जानते हैं, विकास करना जानते हैं लेकिन हमें झूठ बोलना नहीं आता और हम स्वीकार करते हैं कि यह हम में कमी है।'' राहुल ने प्रधानमंत्री का नाम लिए बिना कहा, '' मैं इस बात को स्वीकारता हूं कि हम झूठ बोलना नहीं जानते हैं, इस मामले में हमारा उनसे कोई मुकाबला ही नहीं है।'' कांग्रेस नेता ने रैली में आए लोगों से कहा कि कुछ साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यहां आए थे और कहा था कि ये गन्ने का इलाका है, चीनी मिल चालू करूंगा और अगली बार आऊंगा तो यहां की चीनी चाय में मिलाकर पिऊंगा। चाय पी क्या आपके साथ?

उन्होंने रैली में मौजूद दीपक गुप्ता नाम के एक युवक का नाम लेते हुए कहा कि मोदी जी ने दीपक गुप्ता को नौकरी से निकाल दिया।

राहुल ने दीपक से पूछा- आप दिल्ली में क्या काम करते थे, जवाब आया कि मेट्रो में। इस पर राहुल ने कहा कि बिहार मेट्रो में दीपक को इसलिए काम नहीं मिला, क्योंकि यहां मेट्रो ही नहीं है।

लॉकडाउन के दौरान पैदल चलकर बिहार लौटे मजदूरों के मुद्दे को उठाते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मजदूरों के लिए प्रधानमंत्री ने कोई इंतजाम नहीं किया गया, मजदूरों को पैदल दौड़ाया गया।

उन्होंने कहा, '' मैंने मजदूरों से मुलाकात की, उन्होंने बताया कि हमें दो तीन दिन दे देते तो घर चले जाते।'' कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने अपने संबोधन के दौरान नोटबंदी और लॉकडाउन का मुद्दा उठाया और कहा कि इसके कारण किसानों, मजदूरों, छोटे व्यापारियों, कारोबारियों और दुकानदारों के धंधे को नष्ट कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि नोटबंदी के कारण गरीबों की जेब से पैसे निकाल लिये गए लेकिन अंबानी और अडाणी जैसे उद्योगपतियों की जेब से नहीं।

राहुल ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग)सरकार के कामकाज का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय मनरेगा, खाद्य योजना बनाई गई और किसानों का कर्ज माफ किया गया। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा के चुनाव के प्रचार के लिये राहुल गांधी दूसरी बार बिहार आए हैं। राहुल गांधी ने इससे पहले 23 अक्टूबर को नवादा के हिसुआ और भागलपुर के कहलगांव में चुनावी सभा को संबोधित किया था।

राहुल गांधी ने आज बाल्मिकीनगर में चुनावी रैली को संबोधित किया जहां लोकसभा सीट के लिये उपचुनाव होने वाले हैं और इसके लिये विधानसभा के दूसरे चरण के साथ तीन नवंबर को मतदान होगा। कांग्रेस ने बाल्मिकीनगर लोकसभा सीट पर प्रवेश कुमार मिश्रा को मैदान में उतारा है।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 71 सीटों पर बुधवार को मतदान हो रहा है जिसमें दो करोड़ से अधिक मतदाता 1,066 उम्मीदवारों की किस्मत पर फैसला करेंगे।

दिल्ली यूनिवर्सिटी के VC योगेश त्यागी को सस्पेंड किया गया, राष्ट्रपति ने दिया आदेश

राष्ट्रपति के आदेश पर दिल्ली यूनिवर्सिटी के कुलपति योगेश त्यागी को निलंबित कर दिया गया है। शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है।

• नई दिल्ली/ब्यूरो

राष्ट्रपति के आदेश पर दिल्ली यूनिवर्सिटी के कुलपति योगेश त्यागी को निलंबित कर दिया गया है. शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी है।

बता दें कि योगेश त्यागी दो जुलाई को आपातकालीन चिकित्सा परिस्थितियों में एम्स में भर्ती होने के बाद से अवकाश पर हैं। सरकार ने 17 जुलाई को, त्यागी के वापस लौटने तक प्रति कुलपति पी सी जोशी को कुलपति का प्रभार सौंप दिया था। पिछले सप्ताह बृहस्पतिवार को उस समय विवाद खड़ा हो गया था जब त्यागी ने जोशी को प्रति कुलपति के पद से हटाकर उनकी जगह विश्वविद्यालय के नॉन कॉलेजिएट वुमेंस एजुकेशन बोर्ड की निदेशक

गीता भट्ट को नियुक्त कर दिया था।

इस बीच, जोशी ने नए रजिस्ट्रार विकास गुप्ता की नियुक्ति की अधिसूचना जारी कर दी थी, जिनका साक्षात्कार पूरा हो चुका था और कार्यकारी परिषद ने उनकी नियुक्ति को बुधवार को मंजूरी भी दे दी। उसी दिन त्यागी ने पीसी झा को कार्यवाहक रजिस्ट्रार और साउथ कैंपस का निदेशक नियुक्त करने को मंजूरी देते हुए अधिसूचना जारी कर दी। इसके बाद मंत्रालय ने कुलपति और प्रति कुलपति के बीच चल रहे अधिकारों के टकराव में दखल देते हुए कहा कि त्यागी द्वारा की गई नियुक्तियां वैध नहीं हैं क्योंकि वह अवकाश पर हैं। अधिकारों का टकराव तब और बढ़ गया जब झा ने खुद को कार्यवाहक रजिस्ट्रार बताते हुए मंत्रालय को पत्र लिखा कि त्यागी द्वारा लिये गए सभी निर्णय विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार हैं। मंत्रालय ने पत्र पर आपत्ति जताते हुए विश्वविद्यालय को झा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दे दिया।

वार्ड नंबर 66 में पानी का सैंपल फिर से हुआ फेल

• जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

जब आज सारे भारत में स्वच्छ भारत मिशन की आवाज बुलंद हो रही है वहीं पंजाब में स्वच्छ भारत मिशन तो दूर की बात यहाँ रहने वाले नागरिकों को स्वच्छ पानी पीने को नहीं मिल रहा। ऐसा ही एक मसला जालंधर ब्रीज ने उठाया जिसमें वार्ड नं. 66 में पिछले 5 बार से पानी के सैंपल फेल हो रहे है। उसी को लेकर एक बार फिर से नगर-निगम द्वारा पानी के सैंपल कुछ घरों से लिए गए थे पर तीन लिए गए पानी के सैंपल में से 2 के सैंपल फिर से फेल पाए गए है। यह एक गंभीर मसला है जिस पर निगम अधिकारी चुप्पी साधे है और यहाँ जो नया ट्यूबवैल लगाने के लिए पास हुआ पड़ा है पिछले 1-2 साल से वो भी नहीं लगाया जा रहा यह सब जांच का विषय है क्यूंकि जब भी इलेक्शन के बाद कोई विधायक, पार्षद या मंत्री हारता है उसे बाद में अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठकों में यही मुद्दे सुनने को मिलते है और फिर उन्हें लोगों की नाराजगी का एहसास होता है।

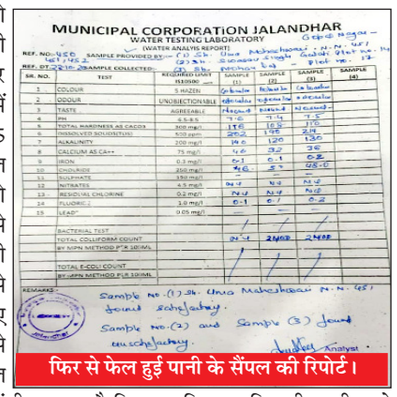
MUNICIPAL CORPORATION JALANDHAR
WATER TESTING LABORATORY

फिर से फेल हुई पानी के सैंपल की रिपोर्ट।

बिहार चुनाव: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की जनता से खास अपील, कहा पहले मतदान, फिर जलपान

• नई दिल्ली/ब्यूरो

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान शुरू हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट करके वोटिंग के दौरान लोगों को कोरोना से बचाव के लिए कहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट के माध्यम से सोशल मीडिया पर लोगों से अपील की है कि वह लोकतंत्र के पावन पर्व में अपनी हिस्सेदारी पूरी सतर्कता के साथ निभाएं. इसके साथ ही मास्क पहनने और सोशल डिस्टेंसिंग को फॉलो करने की भी बात प्रधानमंत्री मोदी ने की है। बिहार चिनाव में पहले चरण की वोटिंग के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार की जनता से खास अपील की है। उन्होंने ट्वीट किया, बिहार विधानसभा चुनावों में आज पहले दौर की वोटिंग है। सभी मतदाताओं से मेरा आग्रह है कि वे कोविड संबंधी सावधानियों को बरतते हुए, लोकतंत्र के इस पर्व में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करें। दो गज की दूरी का रखें ध्यान, मास्क जरूर पहनें। याद रखें, पहले मतदान, फिर जलपान। वहीं पहले चरण की वोटिंग के बीच एलजेपी नेता चिराग पासवान ने सुबह सुबह नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। चिराग पासवान ने कहा है कि नीतीश कुमार चुनाव के बाद महागठबंधन के साथ जाने की तैयारी कर रहे हैं। चिराग ने सोशल मीडिया पर ट्वीट करते हुए कहा है कि नीतीश कुमार को दिया गया हर एक वोट बिहार

को कमजोर के साथ ही बर्बाद कर देगा। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, आदरणीय नीतीश कुमार जी को दिया गया एक भी वोट ना सिर्फ बिहार को कमजोर और बर्बाद करेगा बल्कि आरजेडी और महागठबंधन को मज़बूत करेगा। चुनाव के परिणामों के बाद भाजपा को छोड़ आरजेडी के साथ जाने की तैयारी कर चुके हैं साहब। आरजेडी के आशीर्वाद से पहले भी सरकार बना चुके हैं। # असम्भवनीतीश

स्वच्छ भारत योजना को लोगों के बगैर कामयाब करना नामुमकीन

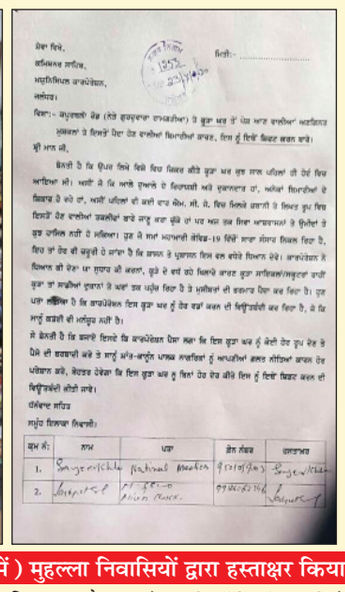

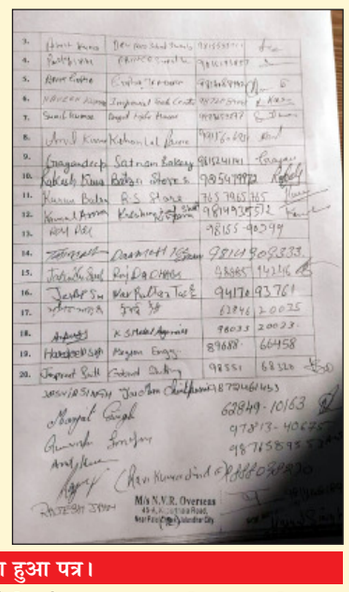

पटेल चौक के पास गलत ढंग से बने हुए कूंडे के डंप और सड़क पर बिखरा हुआ कूड़ा। (दूसरे चित्र में) मुहल्ला निवासियों द्वारा नगर-निगम कमिशनर को दिया गया का ज्ञापन पत्र। (तीसरे चित्र में) मुहल्ला निवासियों द्वारा हस्ताक्षर किया हुआ पत्र।

• जालंधर ब्रीज की विशेष रिपोर्ट

भारत जैसे घनी आबादी वाले देश में कोई भी योजना को लागू करना इतना आसान कार्य नहीं है इसके एक नहीं अनेकों उदाहरण आपको देखने को मिल जाएँगे जिस प्रकार कोरोना जैसी महामारी में जब भारत में लाकडाऊन लगाना था तो कोई आसान काम नहीं था और वो तभी हो सका क्यूंकि आम जनता ने इसमें अपना सहयोग दिया इसी प्रकार प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपने स्वच्छ भारत के सपने को पूरा करने के लिए दिन रात प्रयास कर रहे है वो हमेशा अपने भाषणों में महात्मा गाँधी के देखे हुए इस सपने को पूरा करने के अपने वायदे की वचनबद्धता को दोहराते है परन्तु निचले स्तर पर इस योजना को लागू कराने में राज्य के अफसर पूरी तरह फेल साबित हुए जिसका एक उदाहरण आपको पटेल चौक के पास पड़ते कूड़े के डंप को गलत तरीके से बनाये जाने पर जनता द्वारा इसका विरोध दर्ज कराया गया जिस पर नगर-निगम के उच्चाधिकारियों द्वारा अभी तक कोई जिम्मेवारी वाला कदम नहीं उठाया गया क्यूंकि कुछ ही दूरी पर यहाँ पर प्रसिद्ध गुरुद्वारा साहिब भी है और खाने-पीने की दुकानें है जिससे आम जनता को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है जिसके रोष स्वरूप मोहल्ला निवासियों द्वारा एक पत्र पर हस्ताक्षर करके नगर-निगम कमिशनर के नाम ज्ञापन दिया गया जिस पर देखना होगा आने वाले दिनों में क्या कदम उठाया जायेगा और आम जनता से कैसे तालमेल बिठाया जायेगा।

दखल

बाढ़ झेलने को अभिशप्त असम

असम में बाढ़ से हर साल लाखों लोग प्रभावित होते हैं, लेकिन राजनीतिक खींचतान में अब तक इस समस्या का कोई निदान नहीं निकल सका है। असम को सालाना बाढ़ के प्रकोप और भूमि क्षरण से बचाने के लिए ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों की गाद सफाई, पुराने बांध और तटबंधों की सफाई तथा नए बांधों का निर्माण जरूरी है। मगर सियासती खींचतान के चलते ब्रह्मपुत्र की लहरों का कहर जैसे वहां की नियति बन चुका है।

सदियों पहले नदियों के साथ बह कर आई मिट्टी से निर्मित असम राज्य अब इन्हीं व्यापक जल-शृंखलाओं के जाल में फंस कर बाढ़ और भूमि कटाव झेलने को अभिशप्त है। ब्रह्मपुत्र, बराक और इनकी कोई 50 सहायक नदियों का तेज बहाव अपने किनारों की बस्तियों-खेतों को जिस तरह उजाड़ रहा है, उससे राज्य में कई तरह के सामाजिक, व्यवस्थागत और आर्थिक संकट पैदा हो रहे हैं। असम में बाढ़ और कटाव आपस में जुड़े हुए हैं। राष्ट्रीय बाढ़ आयोग के आंकड़ों के मुताबिक असम राज्य के कुल क्षेत्रफल 78.523 लाख हेक्टयर में 31.05 लाख हेक्टयर यानी कोई 39.58 फीसद हर साल नदियों के जल-प्लावन में अपना सब कुछ लुटा देता है। इसकी तुलना में अगर पूरे देश के बाढ़ग्रस्त क्षेत्र का आंकड़ा देखें तो यह महज 9.40 प्रतिशत है। असम में हर साल बाढ़ का दायरा बढ़ रहा है। इसमें सबसे खतरनाक है नदियों का अपने ही तटों को खा जाना। छह दशक में राज्य की 4.27 लाख हेक्टयर जमीन कट कर पानी में बह चुकी है, जो कि कुल क्षेत्रफल का 7.40 प्रतिशत है।

हर साल औसतन आठ हजार हेक्टर जमीन नदियों के तेज बहाव में कट रही है। 1912-28 के दौरान किए गए ब्रह्मपुत्र नदी के अध्ययन के अनुसार यह कोई 3870 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र से गुजरती थी। पर 2006 में किए गए अध्ययन के अनुसार नदी का भूमि छूने का क्षेत्र 57 फीसद बढ़ कर 6080 वर्ग किलोमीटर हो गया। वैसे तो नदी की औसत चौड़ाई 5.46 किलोमीटर है, लेकिन कटाव के चलते अब कई जगह ब्रह्मपुत्र का पाट 15 किलोमीटर तक चौड़ा हो गया है। 2001 में कटाव की चपेट में 5348 हेक्टयर उपजाऊ जमीन आई थी, जिसमें 227 गांव प्रभावित हुए और 7395 लोगों को विस्थापित होना पड़ा था। 2004 में यह आंकड़ा 20724 हेक्टर जमीन, 1245 गांव और 62,258 लोगों के विस्थापन पर पहुंच गया। 2010 से 2015 के बीच नदी के बहाव में 880 गांव बह गए, जबकि 67 गांव आंशिक रूप से प्रभावित हुए। ऐसे गांवों का भविष्य अधिकतम दस साल आंका गया है। वैसे असम की लगभग 25 लाख आबादी ऐसे गांवों में रहती है, जहां हर साल नदी उनके घर के करीब आ रही है।

ऐसे इलाकों को यहां 'चार' कहते हैं। इनमें से कई नदियों के बीच के द्वीप भी हैं। हर बार 'चार' के संकट, जमीन का कटाव रोकना, मुआवजा, पुनर्वास चुनावी मुद्दा भी होते हैं, लेकिन यहां बसने वाले किस कदर उपेक्षित हैं इसका इससे लगाया जा सकता है कि यहां की 67 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे है। तिनसुकिया से धुबरी तक नदी के किनारे जमीन कटाव, घर-खेत की बर्बादी, विस्थापन, गरीबी और अनिश्चितता की बेहद दयनीय तस्वीर है। कहीं लोगों के पास जमीन के कागजात हैं, तो जमीन नहीं। कहीं बाढ़-कटाव में उनके दस्तावेज बह गए और वे नागरिकता रजिस्टर में 'डी' श्रेणी में आ गए। इसके चलते आपसी विवाद, सामाजिक टकराव भी गहरे तक दर्द दे रहा है। 1988 से 2015 तक कटाव की सीमा का आकलन करने के लिए, 2016 में ब्रह्मपुत्र बोर्ड द्वारा सेटेलाइट इमेजरी से नदी के किनारों का अध्ययन किया गया था। इस अध्ययन से पता चला कि पानी के साथ बह कर आई मिट्टी 208 वर्ग किलोमीटर थी, जबकि इसकी धार से 798 वर्ग किमी का क्षरण हुआ है। इस तरह एकत्र मिट्टी का तात्कालिक इस्तेमाल भी नहीं होता- न इस पर बस्ती बना सकते हैं न खेती कर सकते हैं, क्योंकि यह दलदली होती है।

1950 के सर्वाधिक विध्वंसक भूकंप के बाद ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के बहाव में अंतर आया और इतना भयानक कटाव हुआ था कि तिनसुकिया जिले का ऐतिहासिक सदिया शहर पूरी तरह समाप्त गया। 1954 में, डिब्रूगढ़ और पलासबाड़ी कस्बों का एक बड़ा हिस्सा ब्रह्मपुत्र द्वारा नष्ट कर दिया गया था। सन 2010 के बाद तो डिब्रूगढ़ के कई गांव पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं। दुनिया के सबसे बड़े नदी-द्वीप माजुली का अस्तित्व ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों के कटाव के चलते खतरे में है। माजुली का क्षेत्रफल पिछले पांच दशक में 1250 वर्ग किमी से सिमट कर 800 वर्ग किमी रह गया है। इसमें कोई शक नहीं है कि असम की भौगोलिक स्थिति जटिल है। उसके पड़ोसी राज्य पहाड़ों पर हैं और वहां से नदियां तेज बहाव के साथ नीचे की तरफ आती हैं। असम की ऊपरी अपवाह में कई बांध बनाए गए। चीन ने ब्रह्मपुत्र पर कई विशाल बांध बनाए हैं। इन बांधों में जब कभी जल का भराव अधिक हो जाता है, तो फिर पानी को अनियंत्रित तरीके से छोड़ दिया जाता है। इस तरह इसकी गति बहुत तेज होती है और उससे जमीन का कटाव होता है।

भारत सरकार की एक रिपोर्ट बताती है कि असम में नदी के कटाव को रोकने के लिए बनाए गए अधिकांश तटबंध जर्जर हैं और कई जगह पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। भूमि कटाव का बड़ा कारण राज्य के जंगलों और आर्द्र भूमि पर हुए अतिक्रमण भी हैं। सभी जानते हैं कि पेड़ मिट्टी का क्षरण रोकते हैं और बरसात को भी सीधे धरती पर गिरने से बचाते हैं। आर्द्र भूमि बड़े स्तर पर नदी के जल-विस्तार को सोखती थी। राज्य के हजारों पुखरी-धुबरी नदी से छलके जल को साल भर सहेजते थे। दुर्भाग्य है कि ऐसे स्थानों पर अतिक्रमण की प्रवृत्ति बढ़ी है, इसलिए नदी को अपने ही किनारे काटने के अलावा कोई रास्ता नहीं दिखा। नगांव जिले के कलियाबार ब्लाक के हाथीमूरा, सीलडूबी, कुकुरकोटा आदि क्षेत्रों में जमीन कटाव की गति लगभग दो किलोमीटर प्रतिदिन है। अगर कटाव इसी रफ्तार से जारी रहा तो बह्मपुत्र का पानी जल्दी ही सीलडूबी में प्रवेश कर जाएगा। अगर ऐसा हुआ तो नगांव जिले को बाढ़ से बचाने वाले हाथीमुरा बांध का टूटना तय है। यही नहीं, कलंग नदी की जल धाराएं भी नगांव के लिए खतरा बनी हुई हैं। भूवैज्ञानिक माणिक कर के अनुसार 1997 में दुर्गा पूजा के समय कलंग नदी में अचानक बाढ़ आने की घटना भूक्षरण का ही परिणाम थी, लेकिन उस समय किसी ने इसे गंभीरता से नहीं लिया था।

चूंकि जल के निचले हिस्से में हर रोज पांच-छह भूकंप के झटके आ रहे हैं, इसलिए कटाव की समस्या और गंभीर हो रही है। अब सातालमाटी, भोजखोबा और चापरी आदि में भी नए कटाव देखे जा रहे हैं। ब्रह्मपुत्र घाटी में तट-कटाव और बाढ़ प्रबंध के उपायों की योजना बनाने और उसे लागू करने के लिए दिसंबर1981 में ब्रह्मपुत्र बोर्ड की स्थापना की गई थी। बोर्ड ने ब्रह्मपुत्र और बराक की सहायक नदियों से संबंधित योजना कई साल पहले तैयार भी कर ली थी। केंद्र सरकार के अधीन एक बाढ़ नियंत्रण महकमा कई सालों से काम कर रहा है और उसके रिकार्ड में ब्रह्मपुत्र घाटी देश के सर्वाधिक बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में से है। इन महकमों ने इस दिशा में अभी तक क्या कुछ किया, वह असम के आम लोगों तक अब तक पहुंचा नहीं है। असम को सालाना बाढ़ के प्रकोप और भूमि क्षरण से बचाने के लिए ब्रह्मपुत्र और उसकी सहायक नदियों की गाद सफाई, पुराने बांध और तटबंधों की सफाई तथा नए बांधों का निर्माण जरूरी है। मगर सियासती खींचतान के चलते ब्रह्मपुत्र की लहरों का कहर जैसे वहां की नियति बन चुका है। आज जरूरत है कि असम की नदियों में ड्रेजिंग के जरिए गहराई को बढ़ाया जाए। इसके किनारे से रेत खनन पर रोक लगे। सघन वन भी कटाव रोकने में मददगार होंगे। ऐसा करने से हम एक राज्य की भौगोलिक संरचना को बचाए रख सकेंगे।

विचार

प्रदूषण पर बहाना बंद करें राज्य

कोरोना काल में दिल्ली समेत कई शहरों में बढ़ता जा रहा प्रदूषण चिंता पैदा कर रहा है। अब सरकारें भले ही पराली या वाहनों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराएं, मगर लोगों के स्वास्थ्य की फिक्र पहले होनी चाहिए। इसलिए राज्य बहाना छोड़ें और दिक्कत दूर करें।

हर साल ठंड की आहट के साथ ही दिल्ली और आसपास के शहरों में प्रदूषण की हवा मुसीबत बनने लगती है। सरकार की ओर से या तो इससे निटपने के सीमित उपाय किए जाते हैं या फिर लोग इससे जूझते हुए कुछ महीने गुजार लेते हैं। इस बीच प्रदूषित हवा से जो नुकसान होना होता है, वह हो जाता है। लेकिन इस साल यही प्रदूषण दोहरी चिंता पैदा कर रहा है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की दिल्ली के लिए वायु गुणवत्ता पूर्व चेतावनी प्रणाली यानी 'सफर' ने शहर के प्रदूषण में पराली के धुएं की हिस्सेदारी के बढ़ने का अनुमान जताया है, जिससे अगले दो-तीन दिन दिल्ली में हवा बेहद खराब रहेगी। दूसरी ओर, पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकरण ने भी वायु की गुणवत्ता और ज्यादा खराब होने की आशंका जताते हुए उत्तर प्रदेश और हरियाणा की सरकारों से ऐसे थर्मल पावर संयंत्रों को बंद करने के लिए तैयार रहने को कहा है जो 2015 में तय किए गए मानकों पर खरे नहीं उतरते हैं।

दरअसल, पराली का धुआं पहले से प्रदूषण की समस्या से जूझती दिल्ली और दूसरे शहरों के लिए गंभीर समस्या बनता रहा है! मौसम बदलने और हल्की ठंडक आने के साथ सतह के ऊपर हवा फैलनी होनी शुरू हो जाती है और पराली या फिर वाहनों से निकला धुआं आसानी से ऊपर नहीं उठ पाता है। नतीजतन, वायु की गुणवत्ता खराब होने लगती है और प्रदूषण गहराने लगता है। खासतौर पर वायु में सूक्ष्म प्रदूषक कणों के घुलने के साथ ही लोगों को सांस से संबंधित दिक्कतें होने लगती हैं। ऐसा नहीं है कि पराली जलाने की घटना इस साल नई शुरू हुई है। पिछले कई सालों से इसकी वजह से पहले ही प्रदूषण से जूझते शहरों की समस्या और ज्यादा गहरा जाती है। इसे लेकर राज्यों के बीच जिम्मेदारियों को लेकर तर्क-वितर्क भी होते रहते हैं। लेकिन पराली जलाने वाले किसानों पर ही जिम्मेदारी थोप कर समस्या के टल जाने का इंतजार किया जाता है। पराली जलाने से रोकने के लिए मुआवजा या दूसरे विकल्पों पर विचार अब तक राहत के अस्थायी उपाय ही साबित हुए हैं।

सवाल है कि इस साल जब कोरोना संक्रमण की गंभीर समस्या से देश गुजर रहा है, तब भी इस समस्या से जूझते राज्यों के बीच इसके समाधान पर बात करने की जरूरत क्यों महसूस नहीं हो रही है! पिछले छह महीने में लगभग सभी यह समझ चुके हैं कि कोरोना का संक्रमण मुख्य रूप से श्वांस नली और फेफड़े को संक्रमित करता है। पराली जलाने या फिर वाहनों से निकले धुएं से पैदा हुआ प्रदूषण भी सांस और फेफड़े से संबंधित दिक्कतें ही पैदा करता है। हवा में जहर घुलने के इस मौसम में वाहनों की संख्या नियंत्रित करके प्रदूषण को कम करने की जुगत की जाती है। लॉकडाउन में राहत के बावजूद इस साल औद्योगिक इकाइयों का संचालन अब भी पूरी तरह सहज नहीं हुआ है। यानी फिलहाल वाहन और पराली जलाने से निकला धुआं मुख्य समस्या है।

मैला ढोने वालों की दुर्दशा

किसी मनुष्य द्वारा त्याग किए गए मलमूत्र की साफ-सफाई के लिए व्यक्ति विशेष को नियुक्त करने की व्यवस्था अमानवीय है। इस कुप्रथा को समाप्त करने के लिए महात्मा गांधी समेत तमाम महापुरुषों ने समय-समय पर प्रयास किए इसके बावजूद यह व्यवस्था न सिर्फ निजी बल्कि सरकारी प्रतिष्ठानों में भी अपनी जड़ें जमाए रही। अब जबकि पूरे देश में स्वच्छ भारत अभियान के जरिए साफ-सफाई पर जोर-शोर से चर्चा हो रही है तो यह जरूरी है कि इस अमानवीय पेशे के उन्मूलन के लिए प्रयास किए जाएं। तब गांधी ने 1917 में जोर देकर कहा था कि साबरमती आश्रम में रहने वाले लोग अपने शौचालय को खुद साफ करेंगे। इसके बाद महाराष्ट्र हरिजन सेवक संघ ने 1948 में मैला ढोने की प्रथा का विरोध किया था और उसने इसको खत्म करने की मांग की थी। तब जाकर ब्रेव-कमेटी ने 1949 में सफाई कर्मचारियों के काम करने की स्थितियों में सुधार के लिए सुझाव दिए थे। आजादी के बाद मैला ढोने की हालातों की जांच के लिए बनी एक अन्य समिति ने 1957 में सिर पर मैला ढोने की प्रथा को समाप्त करने का सुझाव दिया था।

इतने सालों बाद भी हम देश में आए रोज सफाई के लिए सेप्टिक टैंक और नालियों में मानव प्रवेश के कारण हुई मौत की खबरें सुनते रहते हैं। ऐसी दुखद घटनाओं को समाप्त करने के उद्देश्य से आवास व शहरी मामलों के मंत्रालय ने गैर-सरकारी संगठनों से इसके उपयुक्त समाधान की तलाश के लिए एक प्रौद्योगिकी चुनौती शुरू की है। जिससे सीवरों और सेप्टिक टैंकों की सफाई में मानव हस्तक्षेप की जगह नवीनतम तकनीकों को बढ़ावा दिया जा सके। सेप्टिक टैंकों और नालियों की सफाई करने वालों के अलावा मैला प्रथा (मैनुअल स्कैवेंजिंग) भी इस काम में लगे लोगों के लिए अभिशाप बन गई है। मैनुअल स्कैवेंजिंग का तात्पर्य किसी भी तरीके से मैन्युअल रूप से सफाई करने, शुष्क शौचालयों और सीवरों से मानव उत्सर्जन ले जाने, निपटाने या संभालने के अभ्यास से है।

28 साल पहले कानून के माध्यम से इस पर प्रतिबंध लगाने एवं तकनीकी प्रगति के बावजूद, मानव अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता पैदा करने वाली, मैनुअल स्कैवेंजिंग भारत में बनी हुई है। 2015 में जारी सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना में कहा गया है कि ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 18 मिलियन मैनुअल मैला ढोने वाले घर थे। अधिकांश सेप्टिक टैंक मैन्युअल रूप से भारतीय शहरों में खाली किए जाते हैं। आंकड़े बताते हैं कि भारत के 80 फीसदी सीवेज क्लीनर विभिन्न संक्रामक रोगों के कारण 60 की उम्र से पहले मर जाते हैं। ये दुर्घटनाएं शहरी

कैग की रिपोर्ट के मुताबिक केवल 16 राज्यों ने ही मैला ढोने की प्रथा पर प्रतिबंध के कानून को अपनाया है और किसी ने भी इसे पूरी तरह लागू नहीं किया है। श्रम मंत्रालय के 'कर्मचारी क्षतिपूर्ति कानून' को भी सिर्फ 6 राज्यों ने लागू किया है। मैला ढोने की प्रथा का अंत करने का संकल्प सभी राज्यों ने मिलकर लिया है। अब इसके क्रियान्वयन में हीलाहवाली ठीक नहीं है।

इलाकों में अधिक हैं और क्योंकि देश के 8000 शहरी क्षेत्र हैं और छह लाख गांव के बड़े हिस्से में सीवेज प्लांट नहीं हैं। मैनुअल स्केवेंजिंग मुख्य रूप से जाति व्यवस्था से दृढ़ता से जुड़ा हुआ है। इस सबसे बड़े अमानवीय पेशे को खत्म करने के लिए समाज द्वारा समर्थन का अभाव भी इसके बने रहने के पीछे कारण है। वैसे भी शिक्षा और मानवता का अभाव आज भारत के कई हिस्सों में गायब है। इनके बारे में एक सटीक सर्वे भी नहीं हो पा रहा है क्योंकि डेटा स्व-रोजगार लेने के लिए मैनुअल मैला ढोने वालों की जानकारी सामाजिक अभिशाप होने की वजह से सामने नहीं आ पाती। इसके लिए एक सरकारी पहल की सख्त जरूरत है।

1993 में संसद द्वारा ड्राई स्केवेंजर्स एंड कंस्ट्रक्शन ऑफ ड्राई लैट्रिंस (निषेध) अधिनियम को पारित किया गया था, जिसके तहत एक व्यक्ति को मैनुअल स्कैवेंजिंग करने के लिए एक वर्ष तक का कारावास और 2,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया था। मैनुअल स्कैवेंजर्स (एसआरएमएस) के पुनर्वास के लिए स्व रोजगार योजना, समयबद्ध तरीके से उत्तराधिकारी योजना (स्केवेंजर्स और उनके आश्रितों की मुक्ति और पुनर्वास के लिए राष्ट्रीय योजना), 2007 में वैकल्पिक स्कैवेंजरों और उनके आश्रितों को वैकल्पिक व्यवसायों में पुनर्वासित करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। मैनुअल स्कैवेंजर्स व पुनर्वास अधिनियम, 2013 के रूप में रोजगार का निषेध 2013 से प्रभावी हुआ। यह अधिनियम मैनुअल स्केवेंजर्स के रूप में रोजगार पर प्रतिबंध लगाता है। अधिनियम में कहा गया है कि राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग अधिनियम के कार्यान्वयन की निगरानी करेगा और अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन के बारे में शिकायतों की जांच करेगा।

प्रावधान के तहत, किसी भी व्यक्ति, प्राधिकरण या एजेंसी को सीवरों और सेप्टिक टैंकों की खतरनाक सफाई के लिए लोगों को संलग्न या नियोजित नहीं करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने प्रैक्टिस को रोकने और नियंत्रित करने और अपराधियों पर मुकदमा चलाने के लिए 2014 में कई दिशा-निर्देश जारी किए। सेप्टिक टैंकों की मशीनीकृत सफाई निर्धारित मानदंड है। उल्लंघन करने पर दो साल की कैद या जुर्माना या दोनों की सजा हो सकती है। इसने सरकार को 1993 से मैन्युअल मैला ढोने के कृत्यों में मारे गए लोगों के परिवार के सदस्यों को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया। गरिमा के साथ जीने का अधिकार संविधान के भाग-3 में गारंटीकृत मौलिक अधिकारों में निहित है। दूसरी ओर, अनुच्छेद 46 यह प्रदान करता है कि राज्य विशेष रूप से अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जातियों व जनजातियों को सामाजिक अन्याय और सभी प्रकार के शोषण से बचाएगा।

स्वच्छ भारत अभियान जैसे ऑपरेशन में अच्छी तरह से इस पहलू पर थोड़ा ध्यान देना आवश्यक है। मेनहोल में प्रवेश करने वाले व्यक्ति के लिए तकनीकी उन्नति का सहारा लिया जाए। ऐसे कार्यों में लगे लगे लोगों के कलंक और भेदभाव से इतर आजीविका को सुरक्षित करने के लिए पूर्व या मुक्त मैनुअल मैला ढोने वालों के लिए तरीका ढूंढा जाए। इनके पुनर्वास के लिए बजट समर्थन और उच्च आवंटन का प्रभावी उपयोग एवं प्रबंध किया जाए। मेनहोल में आखिर इनको क्यों उतरना पड़ता है इस स्थिति के लिए जिम्मेदार लोगों को पकड़ा जाए और उन पर जुर्माना लगाया जाए। आखिर क्यों सेप्टिक टैंक गलत तरह से डिजाइन किए जाते हैं। उनके इंजीनियरिंग दोष को ढूंढा जाए। स्वच्छ भारत मिशन के तहत गांव में लाखों सेप्टिक टैंक बनाए जा रहे हैं। इनको आधुनिक तकनीक पर बनाया जाए ताकि भविष्य में मानव हस्तक्षेप की कम जरूरत पड़े। कई शहरों में सीवरेज नहीं है जो पूरे शहर को कवर करता है।

हमें मैला प्रथा के मूल कारणों पर प्रहार करने की आवश्यकता है-जातिगत पूर्वाग्रह को खत्म करने की भी जरूरत है। अब स्मार्ट शहरों को नियमावली को ध्यान में रखते हुए योजना बनाई जानी चाहिए। महिलाओं को कौशल विकास प्रशिक्षण देकर भेदभाव मुक्त, सुरक्षित व वैकल्पिक आजीविका तय करने का प्रयास करना चाहिए। इसको रोकने के लिए पुनर्वास प्रयासों और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए समुदाय की क्षमता का निर्माण करना और दलित महिलाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ समुदाय में नेतृत्व का निर्माण करना भी अत्यंत आवश्यक है।

ट्विटर

दिल्ली समेत सभी राज्यों में प्रदूषण से निपटने की तैयारी की जा रही है। चूंकि, यह समस्या अब विकराल हो चुकी है, तो इससे निपटने में समय लगेगा।

जितेंद्र सिंह, केंद्रीय मंत्री

प्रदूषण के लिए अकेले दिल्ली को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। न ही दिल्ली के अकेले प्रयास कर लेने से समस्या दूर हो जाएगी। यह सभी राज्यों के प्रयास से होगा।

मनीष सिसोदिया, उप मुख्यमंत्री

सत्यार्थ

क्षमाशीलता का प्रभाव

जापान में कागावा नामक एक संत रहते थे। लोग उन्हें जापान का गांधी कहते थे। वे गांधीजी की ही तरह अत्यंत सादगी से रहते थे। वे लोगों के बीच अत्यंत लोकप्रिय थे और सभी उनका सम्मान करते थे। मगर एक व्यक्ति उनसे ईर्ष्या करता था। वह किसी के भी साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता था। इसी वजह से सभी उससे दूर ही रहते थे। जब उसने देखा कि चारों तरफ कागावा की प्रशंसा होती है और लोग उन्हें भगवान की तरह पूजते हैं तो उसने तय किया कि रात को सोते समय वह

उनकी गर्दन तलवार से काट देगा। वह कागावा के घर पहुंचा। धीरे से दरवाजा खोलकर कागावा के कक्ष में जाकर खड़ा हो गया। संत को सोते देखकर उसने जैसे ही तलवार उठाई, कागावा की नींद खुल गई। वह डर गया कि अब कागावा शोर मचाएंगे और उनके सभी शिष्यों के यहां आने पर उसकी योजना पर पानी फिर जाएगा। लेकिन कागावा के चेहरे पर शिकन तक नहीं थी। उन्होंने हाथ जोड़कर ईश्वर से प्रार्थना की- हे प्रभु, मेरे इस भाई को सद्बुद्धि दो, इसका कल्याण करो। उस व्यक्ति ने जब यह देखा तो उसे बहुत ग्लानि हुई। वह तो संत को मारने आया था और संत उसके लिए ईश्वर से प्रार्थना कर रहे हैं। उनके चेहरे पर उसके लिए न क्रोध है, न घृणा, बस प्रेम ही प्रेम है और क्षमा का उदात्त भाव। उसने तलवार फेंक दी व कागावा के चरणों में गिर पड़ा। कागावा ने उसे उठाकर गले से लगाया और बोले-भाई, कोई बात नहीं, गलती इंसान से ही होती है। प्रभु तुम्हें क्षमा करें और सत्कर्म करने की शक्ति दें। उसी समय से वह व्यक्ति सदाचारी बन गया। सच ही कहा जाता है कि सच्चे संत के प्रभाव से क्रूर से क्रूर व्यक्ति का भी हृदय परिवर्तित हो जाता है।

अमेरिकी हमले में अल कायदा के सात नेता मारे गए

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका ने दावा किया है कि पिछले हफ्ते सीरिया में उसके द्वारा किए गए हवाई हमले में अलकायदा के सात वरिष्ठ नेता मारे गए। अमेरिकी सेंट्रल कमान ने सोमवार को बताया कि इस हमले के वक्त संगठन के नेता इदलिब के निकट बैठक कर रहे थे। इस हमले में अल कायदा के 50 से ज्यादा लड़ाके भी मारे गए हैं। सेंट्रल कमान की प्रवक्ता मेजर बेथ रिऑर्डन ने बताया कि हवाई हमला 22 अक्टूबर को किया गया। हालांकि उन्होंने मारे गए अलकायदा नेताओं के नाम नहीं बताए हैं।

रिऑर्डन ने कहा कि अलकायदा के उन नेताओं के मारे जाने से आतंकवादी संगठन की साजिश रचने की और दुनियाभर में हमले करने की क्षमता प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि अलकायदा उत्तरपश्चिमी सीरिया में अस्थिरता का फायदा उठाता है और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए इसका सुरक्षित पनाहगाह के रूप में इस्तेमाल करता है।

रिऑर्डन ने कहा कि हमारे सहयोगियों और साझेदारों के साथ हम अलकायदा और अन्य आतंकवादी संगठनों को निशाना बनाना जारी रखेंगे। अमेरिका ने इदलिब के निकट 15 अक्टूबर को भी अलकायदा के खिलाफ हवाई हमला किया था। उत्तर पश्चिम सीरिया में स्थित विद्रोहियों के एक प्रशिक्षण शिविर पर सोमवार को किए गए हवाई हमले में 50 से अधिक लड़ाके मारे गए हैं।

रूस समर्थित हो सकता है हमला

तुर्की समर्थित विपक्षी समूह के प्रवक्ता युसूफ हमूद ने कहा कि सोमवार को हुए इस हवाई हमले के बारे में माना जाता है कि यह रूस ने किया है। रूस की तरफ से फिलहाल कोई बयान नहीं आया है। हमूद ने कहा कि हवाई हमले में इदलिब प्रांत के फैलाक अल शाम द्वारा संचालित प्रशिक्षण शिविर को निशाना बनाया गया। फैलाक अल शाम विद्रोहियों के बड़े संगठनों में से एक है। तुर्की लंबे समय से सीरिया में विद्रोही बलों को समर्थन देता रहा है और उसके कई लड़ाकों का इस्तेमाल लीबिया और आजरबैजान में किया गया है। सीरिया में लड़ाई की निगरानी करने वाले ब्रिटेन स्थित सीरियन आब्जरवेट्री फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा है कि इस हमले में 78 लड़ाके मारे गए हैं और करीब 90 लड़ाके घायल हुए हैं। राहत एवं बचाव अभियान अब भी जारी है। संगठन ने भी आशंका व्यक्ति की है कि शायद रूस ने यह हमला किया है। रूस सीरिया के राष्ट्रपति बशर असद का समर्थन कर रहा है।

ताइवान को हथियार देने की घोषणा

उधर अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले प्रशासन ने ताइवान को 2.37 अरब डॉलर में हार्पून मिसाइल प्रणालियों की बिक्री संबंधी योजना के बारे में सोमवार को अधिसूचित किया। इससे कुछ ही घंटों पहले चीन ने बोइंग समेत अमेरिकी रक्षा कंपनियों पर प्रतिबंधों की घोषणा की थी। हार्पून सौदे में बोइंग मुख्य ठेकेदार कंपनी है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य में शांति एवं स्थिरता कायम रहने में अमेरिका का हित है और अमेरिका ताइवान की सुरक्षा को सीमावर्ती हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा एवं स्थिरता के लिए अहम मानता है। इस बिक्री से क्षेत्र में सैन्य संतुलन नहीं बदलेगा। हार्पून मिसाइल पोतों और भूमि पर लक्ष्यों पर हमला करने में सक्षम है। यह मिसाइल 500 पाउंड आयुध ले जाने में सक्षम है। यह तटीय रक्षा स्थलों, सतह से वायु पर मिसाइल स्थलों, विमानों, बंदरगाहों में पोतों, बंदरगाहों और औद्योगिक केंद्रों पर निशाना साधने में सक्षम है। इससे पहले, चीन ने सोमवार को कहा था कि वह ताइवान को हथियारों की आपूर्ति करने के कारण बोइंग और लॉकहीड मार्टिन समेत शीर्ष अमेरिकी रक्षा कंपनियों पर प्रतिबंध लगाएगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने कहा था कि चीन कई मौकों पर कह चुका है कि ताइवान को अमेरिकी हथियारों की बिक्री करना 'चीनी नीति' की अवहेलना करने के साथ ही संप्रभुता और सुरक्षा हितों को धता बताना है। हम इसकी निंदा करते हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव 2020

किसी का पॉलिटिकल डेब्यू, तो कोई बचा रहा है विरासत

पहले चरण में दांव पर इन युवाओं का राजनीतिक भविष्य

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर पहले चरण के लिए 28 अक्टूबर को होने वाले मतदान को लेकर कई युवा नेताओं के सियासी भविष्य भी दांव पर लगे हैं। प्रथम चरण में 71 सीटों पर मतदान होना है। इस चरण में कई युवा ऐसे हैं, जिसके राजनीतिक भविष्य को मतदाता तय करेंगे। अंतर्राष्ट्रीय शूटर श्रेयसी सिंह ने जमुई से चुनावी मैदान में उतरकर अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की है। श्रेयसी भले ही खिलाड़ी रही हों, लेकिन उनकी पारिवारिक पृष्ठभूमि राजनीतिक रही है। उनके पिता स्व. दिग्विजय सिंह केंद्रीय मंत्री रहे हैं जबकि उनकी मां पुतुल सिंह सांसद रही हैं।

पहले चरण में जिन सीटों पर मतदान होना है उसमें कहलगांव और सुल्तानगंज भी शामिल हैं, इनमें कांग्रेस ने दो युवा चेहरों को मैदान में उतारा है। कहलगांव से कांग्रेस के दिग्गज नेता सदानंद सिंह के पुत्र शुभानंद मुकेश का सियासी सफर दांव पर है, वहीं सुल्तानगंज से युवक कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष युवा नेता ललन यादव भी चुनावी मैदान में है। ललन की सुल्तानगंज में अच्छी पैठ है जबकि जातीय समीकरण भी इनके पक्ष में दिखाई दे रहा है। ललन कहते हैं कि उनका सभी वर्गों का समर्थन मिल रहा है। इधर, तारापुर विधानसभा क्षेत्र से युवा चेहरा दिव्या प्रकाश का भी सियासी भविष्य मतदाता करेंगे। दिव्या प्रकाश सांसद जयप्रकाश यादव की पुत्री हैं। इस चरण की सबसे युवा प्रत्याशी दिव्या प्रकाश की तो उम्र केवल 28 साल है और वो चुनावी समर में उतरी हैं। वे राज्य की तारापुर सीट से राजद की टिकट पर उम्मीदवार हैं।

बिहार में एनडीए- महागठबंधन के बीच है सीधी टक्कर

प्रथम चरण का सोमवार को प्रचार समाप्त होने के बाद सभी युवा प्रत्याशी मतदाताओं के घर पहुंच रहे हैं और वोट मांग रहे हैं। बिहार के चुनावी दंगल में राजग से सीधी टक्कर महागठबंधन से मानी जा रही है। भाजपा के नेतृत्व वाले राजग में जदयू, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा, विकासशील इंसान पार्टी शामिल हैं, जबकि केंद्र में राजग की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) यहां अलग चुनाव मैदान में है, इधर, महागठबंधन में राजद, कांग्रेस और वामपंथी दल शामिल हैं। बिहार में विधानसभा की 243 सीटों के लिए तीन चरणों में चुनाव होना है। प्रथम चरण के लिए 28 अक्टूबर को 71 सीटों पर, दूसरे चरण के लिए तीन नवंबर को 94 सीटों पर और तीसरे चरण के लिए सात नवंबर को 78 सीटों के लिए मतदान होगा, वहीं वोटों की गिनती 10 नवंबर को होगी।

राजद के सबसे ज्यादा प्रत्याशी दागी, भाजपा-जदयू भी पीछे नहीं

पटना, (एजेंसी)। बिहार में राजनीति और अपराध का जैसे चोली दामन का साथ हो गया है। हर चुनाव में अपराध कम करने की बातें होती हैं। अपराधियों पर नकेल कसने के वादे होते हैं, लेकिन अपराधियों को ही टिकट भी थमा दिया जाता है। सभी प्रमुख दलों ने इस बार भी दागी नेताओं को मैदान में उतारा है। पहले चरण में जहां 31 प्रतिशत दागी नेता मैदान में थे, दूसरे चरण में 34 प्रतिशत ऐसे लोग चुनाव लड़ रहे हैं जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। चुनाव संबंधी गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म ने दूसरे चरण के प्रत्याशियों की रिपोर्ट मंगलवार को जारी की। इसके अनुसार सबसे ज्यादा राष्ट्रीय जनता दल ने ऐसे लोगों को टिकट दिया है जिन पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। राजद के बाद भाजपा ने दागी नेताओं को टिकट दिया है। जदयू, लोजपा यहां तक कि कांग्रेस भी इस मामले में पीछे नहीं है।

राजद के 36 उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज : रिपोर्ट के अनुसार राजद के 56 उम्मीदवारों में से 36 उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें 28 उम्मीदवारों पर गंभीर आपराधिक मामले हैं। भाजपा के 46 उम्मीदवारों में से 29 पर आपराधिक मामले हैं। इसमें से 20 पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। जद (यू) के 43 में से 20 उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। जद-यू के 15 प्रत्याशियों पर गंभीर मामले दर्ज हैं। लोक जनशक्ति पार्टी के 52 उम्मीदवारों में से 28 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

न्यूज

मुंबई में आतंकी हमले की आशंका, अलर्ट जारी

मुंबई, (एजेंसी)। आर्थिक राजधानी मुंबई में बड़ा आतंकी हमला हो सकता है। राज्य के खुफिया विभाग ने महाराष्ट्र सरकार को हमले की आशंका के इनपुट दिए हैं। हमले के लिए ड्रोन या मिसाइल का इस्तेमाल किया जा सकता है। विभाग के पत्र के बाद मुंबई पुलिस ने अलर्ट जारी किया है। पूरे शहर में ड्रोन व उड़ाई जाने वाली अन्य वस्तुओं पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि आतंकी ड्रोन, रिमोट से चलने वाले माइक्रो लाइट एयरक्राफ्ट, एरियल मिसाइल या पैरा ग्लाइडर से हमला कर सकते हैं। भीड़भाड़ वाली जगहें व वीवीआईपी निशाने पर हो सकते हैं।

भाजपा का वीसीके के खिलाफ प्रदर्शन, खुशबू गिरफ्तार

चेन्नई, (एजेंसी)। सुप्रसिद्ध अभिनेत्री खुशबू सुंदर को मंगलवार को शहर के बाहरी इलाके ईसीआर से उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह वीसीके संस्थापक और लोकसभा सदस्य थोल तिरुमावलवन के खिलाफ पार्टी भाजपा की ओर से आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने चिदंबरम की ओर जा रही थी। खुशबू हाल ही में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुई हैं। भाजपा ने दलित नेता द्वारा मनुस्मृति का हवाला देते हुए महिलाओं पर अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए उसके खिलाफ राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन करने का आह्वान किया है।

एमी कोनी बैरट ने सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति पद की शपथ ली

वाशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिका में आम चुनावों से एक सप्ताह पहले मंगलवार को जज एमी कोनी बैरेट ने अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। न्यायाधीश बैरेट ने राष्ट्रपति ट्रंप की मौजूदगी में व्हाइट हाउस में शपथ ली। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस क्लेरेंस थॉमस ने उन्हें शपथ दिलाई। इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बड़ी जीत माना जा रहा है। रिपब्लिकन बहुमत वाले सीनेट ने 48 के मुकाबले 52 वोट देकर बैरट के नाम की पुष्टि की। न्यायमूर्ति क्लैरेंस थॉमस ने व्हाइट हाउस के साउथ लॉन में एक समारोह में बैरेट को संवैधानिक शपथ दिलाई।

पाक में बम विस्फोट, सात बच्चे मरे, 70 लोग घायल

पेशावर, (एजेंसी)। पाकिस्तान के पेशावर में बम धमाका हुआ है, इस धमाके में सात बच्चों की मौत हो गई है और 70 लोग घायल हो गए है। पाकिस्तान पुलिस ने इस धमाके को लेकर बताया कि पेशावर की दीर कॉलोनी में एक मदरसे में एक बम धमाका हुआ है, इसमें सात बच्चों की मौत हो गई है। पेशावर शहर के पुलिस अधीक्षक वकार अजीम ने कहा कि शहर की दीर कॉलोनी में स्थित मदरसे में फज्र की नमाज के बाद विस्फोट हुआ। किसी व्यक्ति ने विस्फोटक सामग्री से भरा बैग मदरसे की दीवार के पास रखा था, जिसके विस्फोट में सात बच्चे मारे गए व 70 अन्य घायल हो गए।

सतर्क रहे! सुरक्षित रहे! कोरोना वायरस से सावधान रहे क्योंकि सावधानी ही बचाव हैं। कोरोना को धोना हैं।

निकिता मर्डर केस : लड़की को मुस्लिम बनाना चाहता था आरोपी तौसिफ

कोर्ट ने दोनों आरोपियों को दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेजा

फरीदाबाद ■ एजेंसी

हरियाणा के फरीदाबाद जिले के बल्लभगढ़ शहर में कॉलेज से पेपर देकर घर लौट रही छात्रा निकिता तोमर की मुस्लिम समुदाय के एक युवक तौसिफ और उसके दोस्त रेहान द्वारा सोमवार शाम दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। कोर्ट ने दोनों आरोपियों को दो दिन की पुलिस रिमांड में भेज दिया है।

निकिता मर्डर केस को लेकर बवाल बढ़ा: जानकारी के अनुसार, घटना अग्रवाल कॉलेज के सामने की सड़क पर हुई जब परीक्षा देने के बाद बाहर निकली बीकॉम फाइनल ईयर की छात्रा निकिता का तौसिफ ने पिस्तौल की नोंक पर अपहरण करने और कार में बिठाने का प्रयास किया, लेकिन निकिता के विरोध करने पर

आरोपी जब अपने मंसूबों को अंजाम देने में विफल रहा तो उसने छात्रा को गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान आरोपी का दूसरा साथी कार में बैठा हुआ था। निकिता को उसकी साथी ने बचाने का प्रयास किया, लेकिन वह इसमें नाकाम रही। वारदात के बाद आरोपी कार में बैठकर फरार हो गए।

निकिता से शादी करने का बना रहा था दबाव

परिजनों का कहना है कि आरोपी ने वर्ष 2018 में भी निकिता के अपहरण का प्रयास किया था। वह उसे मुस्लिम बनाकर उससे शादी करने का दबाव बना रहा था। उस वक्त पुलिस में आरोपी की शिकायत की गई थी, लेकिन उस समय पुलिस के कथित दबाव और आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं किए जाने पर उन्होंने लोकलाज के चलते समझौता कर लिया था। उन्होंने कहा कि पुलिस की इस ढिलाई की कीमत निकिता को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी।

गुस्साए परिजन, संबंधी और संगठन धरने पर बैठे

इस घटना से गुस्साए परिजन, संबंधी और अनेक संगठनों के लोग धरने पर बैठ गए हैं। उनकी मांग है कि प्रशासन एसआईटी गठित कर इस मामले में जल्द जांच पूरी करे और फास्टट्रैक कोर्ट में मामला चलाकर आरोपियों को फांसी की सजा सुनिश्चित करे।

फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराई जाए मामले की सुनवाई

छात्रा के एक रिश्तेदार हाकिम सिंह ने बताया कि वह लड़की पर बार-बार मुस्लिम बनने के लिए दबाव डाल रहा था। तीन साल पहले भी उसने वारदात की थी, लेकिन तब हमने पंच फैसले से मामला निपटा लिया था। अब लड़के ने फिर लड़की को फोन किया कि मुसलमान बन जा हम शादी कर लेंगे। लड़की ने इंकार कर दिया तो अपहरण की कोशिश की गई। अपहरण में नाकाम रहने पर गोली मारकर हत्या कर दी। प्रशासन से हमारी मांग है कि एसआईटी गठित कर मामले की जांच कराई जाए और फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामले की सुनवाई कराई जाए।

पाक-चीन से बढ़ते खतरे के बीच अब भारत बनाएगा पांच मिलिट्री थियेटर कमांड

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय सेना को 2022 तक पांच थियेटर कमांड में पुनर्गठित किया जाएगा। ये थियेटर कमांड निर्धारित क्षेत्रों के आधार पर बनाए जाएंगे। पाकिस्तान और चीन के लिए अलग-अलग कमांड बनाई जाएगी। कहा जा रहा है कि थियेटर कमांड में बंटवारे के बाद भारतीय सेना अपने लक्ष्य पर ज्यादा फोकस कर पाएगी। हर कमांड के लिए एक विशेष फोकस एरिया होगा।

मोदी सरकार ने सीडीएस बिपिन सिंह रावत को थियेटर कमांड बनाने के लिए इशारा दे दिया है। चीन और अमेरिका जैसे देशों में थियेटर कमांड की व्यवस्था पहले से मौजूद है। उत्तरी कमांड लद्दाख के काराकोरम पास से लेकर अरुणाचल प्रदेश के आखिरी पोस्ट किबिथू तक की जिम्मेदारी देखेगी। इसका हेडक्वार्टर लखनऊ में होगा। ये कमांड चीन से लगती सीमा के लिए होगी, वहीं पश्चिमी कमांड पाकिस्तान से लगती सीमाओं पर अपना फोकस रखेगी। इसका हेडक्वार्टर जयपुर में होगा। तीसरी कमांड तिरुवनंतपुरम में बेस्ड हो सकती है, वहीं चौथी कमांड एयर डिफेंस कमांड होगी और पांचवी नेवी।

भारत के थलसेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने बीते सप्ताह कहा था कि प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) की नियुक्ति के बाद सैन्य सुधारों में अगला कदम युद्ध एवं शांति के दौरान सेना के तीनों अंगों की क्षमताओं में समन्वय के लिए एकीकृत थिएटर कमान स्थापित करने का होगा। जनरल नरवणे ने साथ ही यह भी कहा था कि थिएटर कमान स्थापित करने की प्रक्रिया 'सुविचारित' होगी और इसका परिणाम मिलने में कुछ वर्ष लगेंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की पूर्व संध्या पर मंगलवार को पटना के पालीगंज में एक मतदान सामग्री वितरण केंद्र से मतदान दलों ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) सहित अन्य सामग्री प्राप्त की।

भारतीय मछुआरों पर श्रीलंकाई नौसेना ने किया हमला, एक घायल

कोलंबो, (एजेंसी)। श्रीलंकाई नौसेना ने भारतीय मछुआरों के एक दल को कथित तौर पर निशाना बनाया है। मिली जानकारी के मुताबिक इस दल को घुसपैठिए बताते हुए इन पर घातक हथियारों से हमला किया गया है। इस हमले में एक भारतीय मछुआरे के गंभीर रूप से घायल हो जाने की सूचना मिली है। श्रीलंका का आरोप है कि ये मछुआरे उनकी सीमा में जबरदस्ती घुस आए थे। उधर

मछुआरों ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा के उल्लंघन से इंकार किया है। मछुआरों ने बताया कि उन पर न सिर्फ पत्थर फेंके गए, बल्कि उनके मछली पकड़ने के जाल को भी फाड़ दिया गया। अधिकारियों के मुताबिक श्रीलंका को इस घटना की आधिकारिक जानकारी देते हुए उनसे इस बारे में स्पष्टीकरण मांगा गया है। घायल मछुआरा तमिलनाडु के रामेश्वरम का रहने वाला बताया जा रहा है।

बिहार में मतदान से पहले चिराग का वीडियो वायरल

पटना, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण की वोटिंग से एक दिन पहले एलजेपी अध्यक्ष चिराग पासवान का एक वीडियो लीक हुआ है, जिसमें वह अपने पिता रामविलास पासवान की तस्वीर के सामने शूटिंग कर रहे हैं।

लीक वीडियो में वह हंसी मजाक कर रहे हैं। जेडीयू ने चिराग की इस हंसी पर सवाल खड़ा किया है। जेडीयू प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि चिराग अपने पिता के निधन के अगले दिन कैमरे के सामने खड़े हो गए। कैसे इस मौत को भुनाया जाए, इसके लिए ठहाकों के साथ अपने आस-पास लोगों से वो वार्तालाप करते हुए दिख रहे हैं। इतना ये अमानवीय अनैतिक तस्वीर है, जिसकी जितनी भर्त्सना की जाए कम है। लीक वीडियो में चिराग एक जगह बोल रहे हैं...अरे भाई हर किसी के बाल का पॉस्चर अलग होता है। मेरा अलग है तेरा अलग होगा। वहीं एक जगह पर कहते दिख रहे हैं कि इसके बाद एक्टिंग और कर दूंगा...। लीक वीडियो में एक आदमी एसी का टेम्परेचर कम करने के लिए आगे आता है तो चिराग कहत हैं भाईसाहब ये रिमोट है, दूर से भी काम करेगा।

चिराग ने दी सफाई

चिराग ने वायरस वीडियो पर कहा कि मेरी समझ में नहीं आ रहा कि वो वीडियो किस उद्देश्य से दिया गया है, क्या मुझे प्रमाण देने की जरूरत है कि मैं अपने पिताजी की मृत्यु से कितना दुखी हूं।... सवाल उठाता है तो मेरी नीतियों पर सवाल उठाइए, मेरी कार्यशैली पर सवाल उठाइए।

लोजपा के सर्वाधिक दिग्गज की परीक्षा पहले चरण में ही: लोजपा के दिग्गज उम्मीदवारों में सर्वाधिक की परीक्षा पहले चरण में ही होनी है। पहले चरण में लोजपा के 41 उम्मीदवार मैदान में हैं। कुल 42 प्रत्याशी थे, जिनमें एक का नामांकन रद्द हो गया है। इस तरह अब 41 मैदान में हैं। इनमें पार्टी के कई बड़े चेहरे हैं, जिनमें भाजपा के एक विधायक और कई पूर्व विधायक शामिल हैं। भाजपा के वर्तमान विधायक डॉ. रवींद्र यादव झाझा विधानसभा से लोजपा के टिकट पर मैदान में हैं।

माफिया अतीक अहमद पर बड़ी कार्रवाई, 11 बैंक खाते सीज

प्रयागराज, (एजेंसी)। पूर्व बाहुबली सांसद अतीक अहमद पर योगी सरकार का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है। अतीक और उसके करीबियों की डेढ़ दर्जन के करीब इमारतों पर सरकारी बुलडोजर चलाकर उन्हें जमींदोज किए जाने के बाद प्रयागराज के सरकारी अमले ने अब बाहुबली के ग्यारह बैंक खातों को सीज करा दिया है।

खातों को सीज करने की कार्रवाई मंगलवार को औपचारिक तौर पर पूरी कर ली गई। जिन ग्यारह बैंक खातों को सीज कराकर उन्हें कुर्क किया गया है, उनमे सात प्रयागराज और दो -दो नई दिल्ली और यूपी के बलरामपुर जिले में हैं। इन बैंक खातों में तकरीबन पचहत्तर लाख रुपए जमा हैं।

ग्यारह बैंक खाते सीज: यह वो बैंक खाते हैं, जिनका डिटेल्स अतीक ने अपने चुनावी हलफनामे में दी थी, नई दिल्ली और लखनऊ के एक एक बैंक खातों के पहले से ही सीज होने से उन्हें कुर्क नहीं किया गया है। अतीक के जिन ग्यारह बैंक खातों को सीज किया गया है, उनसे अब पैसों का लेन देन नहीं हो सकेगा। प्रयागराज पुलिस ने बैंक खातों को कुर्क करने की कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट की धारा 14 (1) के तहत की है। प्रयागराज में जिन बैंकों में चल रहे खातों को सीज किया गया है, उनमे इंडियन बैंक, बैंक आफ बड़ौदा, स्टेट बैंक आफ इंडिया और पंजाब नेशनल बैंक शामिल हैं। पुलिस ने खातों को जब्त करने के लिए डीएम से परमीशन मांगी थी। डीएम ने परमीशन देते हुए तीस अक्टूबर तक कार्रवाई पूरी करने और रिपोर्ट करने को कहा था।बाहुबली अतीक इन दिनों गुजरात के अहमदाबाद की जेल में बंद है। कई मामलों में अतीक को मिली जमानत भी निरस्त कराई जा चुकी है।

अपराध — भारत ने पाकिस्तान से की मुंबई के 26/11 आतंकी हमलों के दोषी हेडली पर केस की मांग

सामने आ सकता है आईएसआई-आतंकियों का कनेक्शन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुंबई के 26/11 आतंकी हमलों का दोषी डेविड हेडली अमेरिका की जेल में बंद सजा काट रहा है। इस बीच भारत ने हेडली पर पाकिस्तान से मुकदमा चलाने की मांग की है। इसके साथ ही भारत ने पाकिस्तान से यह भी कहा है कि 2008 के मुंबई हमले को लेकर हेडली के बयान को गवाही के रूप में भी पेश किया जाए। बता दें कि अमेरिका हेडली के प्रत्यर्पण से इंकार कर चुका है। इससे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकियों के बीच के कनेक्शन का पर्दाफाश हो

सकता है। मंगलवार को नई दिल्ली में भारत-अमेरिका के बीच टू प्लस टू वार्ता हुई। इस बैठक में भी मुंबई हमलों के दोषी हेडली के खिलाफ पाकिस्तान की तरफ से एक्शन लिए जाने की जरूरत का मुद्दा उठा। भारत ने इस पर भी जोर दिया कि पाकिस्तान ने सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा देना बंद नहीं किया है। वह लगातार आतंकी साजिश रच रहा है। भारत ने पिछले हफ्ते पाकिस्तान को अपना संदेश भेज दिया है।

हेडली ने अमेरिकी और भारतीय एजेंसियों के सामने कबूला

हेडली अमेरिकी और भारतीय एजेंसियों के सामने यह कबूल कर चुका है कि उसने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर आतंकी साजिश को अंजाम दिया। हेडली ने यह भी बताया था कि आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा भी आईएसआई की मदद से ही आतंक फैला रहा है। दरअसल हेडली मुंबई हमले के मामले में सरकारी गवाह बन गया है। उसे दोषी करार दिया जा चुका है, वहीं दोषी करार दिए जाने का मतलब अमेरिका के कानून के अनुसार यह है कि हेडली का भारत या फिर पाकिस्तान में प्रत्यर्पण नहीं हो सकेगा। सहायक अमेरिकी अटॉर्नी जे. ललेजियान ने लास एंजिलिस की संघीय अदालत में कहा था कि राणा के विपरीत हेडली ने हमलों में अपनी लिप्तता तुरंत स्वीकार कर ली थी और सभी आरोपों में दोष भी स्वीकार कर लिया था। उन्होंने कहा कि इसलिए हेडली का भारत प्रत्यर्पण नहीं किया जाएगा।

पुलिस कमिश्नर ने नशा तस्करों के खिलाफ कारवाई के दिए आदेश

अधिकारियों को एनडीपीएस एक्ट के अधीन ड्रग तस्करों की संपत्ति फ्रीज करने के लिए कहा

• जालंधर/रवि

पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि नशा तस्करों पर नकेल कसी जाए और गैरकानूनी शराब कारोबार या किसी भी तरह की नशा तस्करी पर कड़ी कारवाई की जाए ।

इस मीटिंग में पुलिस कमिश्नर के साथ डिप्टी पुलिस कमिश्नर बलकार सिंह, नरेश डोगरा, और अरुण सैनी और सभी अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर,शहर के सभी एसएचओ भी मौजूद थे।

यह बैठक ड्रग तस्करों, गैरकानूनी शराब में शामिल तस्करों के खिलाफ कारवाई सुनिश्चित करने और त्यौहारों के मद्देनज़र रक्षा तैयारियों की समीक्षा के बुलाई गई थी। सीपी ने सभी फील्ड अधिकारियों को निर्देश जारी किए कि वह अपने अपने क्षेत्रों में नशे की सप्लाई पर नकेल कसने को यकीनी बनाएं। डीजीपी दिनकर गुप्ता की तरफ से राज्य से नशे को खत्म करने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए भुल्लर ने कहा कि इस काम में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए । पुलिस कमिश्नर ने अधिकारियों को निदेश दिया कि एनडीपीएस एक्ट के अधीन पकड़े गए ड्रग तस्करों की संपत्तियों को फ्रीज करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए।

उन्होंने कहा कि फील्ड अधिकारियों को अपने अपने क्षेत्रों में नशीली दवाओं की तस्करी के लिए जवाबदेह होना पड़ेगा ।

उन्होंने सभी अधिकारियों को नशे के मामलों में जांच समयबद्ध तरीके से करने का आदेश दिया । उन्होंने कहा कि अधिकारी नशे के मामलों में अपराधियों की पहचान करें और उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्यवाही सुनिश्चि करें।

इस दौरान उन्होंने त्यौहारी सीज़न के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था की भी समीक्षा की और अधिकारियों से शहर के विभिन्न स्थानों पर विशेष रूप से सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा के प्रबंध कड़े करने को कहा। उन्होंने पुलिस टीमों से शहर के विभिन्न इलाकों में गश्त बढ़ाने के लिए कहा ताकि लोगों को सुरक्षा संबंधी कोई परेशानी न आए। इस अवसर पर मुख्य रूप से एडीसीपी वत्सला गुप्ता और अन्य लोग भी उपस्थित थे।

भ्रष्टाचार के खिलाफ विजीलेंस ब्यूरो की तरफ से जागरूकता सप्ताह की शुरूआत, वेबीनार के जरिए एसएसपी ने किया जागरूक

• जालंधर ब्रीज/रवि

पंजाब सरकार की तरफ से भ्रष्टाचार विरुद्ध चलाई गई मुहिम के संदर्भ में विजीलैंस ब्यूरो पंजाब की तरफ से तारीख़ मंगलवार को विजीलेंस जागरूकता सप्ताह की शुरूआत की गई जोकि 2 नवंबर 2020 तक चलेगा। इस बारे विस्तृत जानकारी देते हुए जालंधर रेंज के एसएसपी विजिलेंस दलजिंदर सिंह ढिल्लों ने बताया कि मंगलवार को पुलिस लाइंस में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में विजीलेंस ब्यूरो, जालंधर के कर्मचारी और विजीलेंस ब्यूरो यूनिट, जालंधर के डी.ऐस.पी. दलबीर सिंह और उनके कार्यक्षेत्र में तैनात कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस दौरान वहां मौजूद सभी अधिकारियों व मुलाजिमों को अपना काम मेहनत, लगन व ईमानदारी से करने की कस्म दिलाई गई। इसके अलावा सेंट्रल को-आपरेटिव बैंक, होशियारपुर के सहयोग के साथ वेबीनार के जरिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बैंक के जीएम राजीव शर्मा, उप रजिस्ट्रार उमेश कुमार वर्मा अपने अंतर्गत आने वाले स्टाफ के साथ शामिल हुए। विजीलेंस ब्यूरो जालंधर रेंज के एसएसपी दलविंदर सिंह ढिल्लों ने इस दौरान विजीलेंस ब्यूरो की कार्यशैली के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी, साथ ही वेबीनार में भ्रष्टाचार बढ़ने के कारणों पर भी चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि आम तौर पर सरकारी दफ्तरों के बाहर प्राईवेट एजेंट संगठित होकर आम जनताको अपना निशाना बनाते हैं, जिसके साथ सम्बन्धित महकमों की साख को भी धक्का लगता है। उन्होंने बताया कि भ्रष्टाचार निरोधक कानून के मुताबिक सरकारी मुलाजिम भी इस गलत काम की वजह से कानूनी कार्रवाई के पात्र बन जाते हैं। इस दौरान बैंकों के जरिए होने वाले फ्रॉड को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। वेबीनार में सभी मुलाजिमों व अधिकारियों को अपील की गई कि वे अपने बच्चों, दोस्तों, रिश्तेदारों को विजीलेंस जागरूकता कार्यक्रम के बारे में बताएं और सभी लोग मिलकर भ्रष्टाचार के खिलाफ एकजुट होकर आवाज बुलंद करें। ताकि एक भ्रष्टाचार मुक्त समाज का सृजन किया जा सके।

उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सरकारी दफ्तरों में अपना काम करवाने के लिए संयम रखें और काम जल्दी करवाने के चक्कर में किसी मुलाजिम व अधिकारी को पैसे की पेशकश करके भ्रष्टाचार को उत्साहित न करें। एसएसपी विजीलेंस ने कहा कि अगर किसी भी विभाग का कोई अधिकारी या मुलाजिम उनसे कोई काम करने के बदले रिश्वत की मांग करता है तो वह इसकी शिकायत करें अपनी अगर कोई व्यक्ति अपनी पहचान गुप्त रखना चाहता है तो किसी भी विभाग का कोई अधिकारी या कर्मचारी उन से कोई काम करन बदले रिस फिर की माँग करता है तो वह विजीलेंस ब्यूरो के टोल फ्री नंबर 1800-1800-1000 पर संपर्क कर सकता है। इस दौरान बैंक अधिकारियों व मुलाजिमों की तरफ से कुछ सवाल भी पूछे गए, जिनका एसएसपी विजीलेंस ब्यूरो जालंधर रेंज दिलजिंदर सिंह ढिल्लों ने मौके पर ही जवाब दिया।

पॉवरकॉम ने अपनी वचनबद्धता पूरी करने के लिए विकास कार्यों को दी हरी झंडी

• जालंधर ब्रीज/रवि

पंजाब राज पावर कारपोरेशन लिमिटेड ने लोगो को बिजली की पूरी सुविधा देने के लिए मुख्य इंजीनियर जैन इन्दर दानिया और उप मुख्य इंजीनियर हरजिंदर सिंह बांसल ने 220 के वी सब स्टेशन जमशेर से चलने वाले 11 के वी जगराल फीडर को बाँट कर नया 11 के वी उदोपुर फीडर का उद्घघाटन किया इस फीडर पर नानक पिंडी, पोडसेप्राय ,चननपुर और दीवाली गाओं का बराबर लोड चलेगा। इसी तरह जालंधर वेस्ट अधीन 66 के वी मकसूदपुर सब स्टेशन से चलने वाला 11 के वी मंड फीडर जिस पर 245 एम्पेयर लोड चल रहा है इस फीडर से लोड घटाने के लिए 66 के वी लैदर काम्प्लेक्स सब स्टेशन से नया फीडर खींच कर इस फीडर पर हेलरा और वरयाणा गाओं का ऐ पी लोड ट्रांसफर किया जायेगा। इन दोनों फीडर का लोड कम करने के लिए पॉवरकॉम का लगभग 82 लाख रूपए का खर्चा आया है। इस मौके पर मुख्य इंजीनियर जैन इन्दर दानिया और उप मुख्य इंजीनियर हरजिंदर सिंह बांसल उप मुख्य इंजीनियर सोमनाथ सोमनाथ माही प एंड म सर्किल के साथ अन्य पॉवरकॉम के अधिकारी उपस्थित थे।

यूरिक एसिड काबू करने में मुलेठी को माना जाता है रामबाण, अर्थराइटिस का खतरा कम करती हैं ये चीजें

यूरिक एसिड का स्तर शरीर में प्यूरीन नामक प्रोटीन की अधिकता के कारण बढ़ जाता है। बॉडी में अगर यूरिक एसिड की मात्रा ज्यादा हो जाती है तो इससे कई स्वास्थ्य समस्या का खतरा भी बढ़ता है। हेल्दी बॉडी में यूरिक एसिड की रीडिंग 3.5 से 7.2 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर होती है। जिन लोगों के शरीर में इस एसिड का स्तर इससे अधिक होता है उन्हें हाई यूरिक एसिड की समस्या हो जाती है। शरीर में इसकी अधिकता से गठिया व किडनी स्टोन का खतरा होता है। वहीं, इसके कारण जोड़ों में दर्द, उंगलियों में चुभन, शरीर में सूजन और उठने-बैठने में परेशानी होने लगती है। ऐसे में कुछ घरेलू उपाय इस परेशानी को कम करने में कारगर है। इन्हीं उपायों में से एक है

मुलेठी। औषधि का दर्जा दिया जाता है दर्जा: आयुर्वेद में मुलेठी को बेहद अहम और महत्वपूर्ण माना गया है। मुलेठी में एंटी-इन्फ्लेमेट्री गुण पाए जाते हैं जो यूरिक एसिड बढ़ने पर होने वाली सूजन को कम करने में कारगर है। शरीर में फ्री रैडिकल्स वहां मौजूद टॉक्सिक पदार्थों को निकलने में अड़चनें पैदा करती है। वहीं मुलेठी के सेवन से शरीर फ्री रैडिकल्स के लड़ने में सक्षम हो पाता है। इससे हाई यूरिक एसिड के अलावा कई दूसरी बीमारियों से लड़ने में भी मदद मिलती हैं

महत्वपूर्ण तत्व होता है मौजूद:

मुलेठी का इस्तेमाल कई लोग आयुर्वेदिक औषधि के रूप में भी करते हैं। कई स्वास्थ्य समस्याओं से लड़ने की शक्ति प्रदान करने में कारगर है। इस जड़ी-बूटी में एक महत्वपूर्ण तत्व पाया जाता है जो यूरिक एसिड के मरीजों के लिए फायदेमंद है। ग्लाइसिराइजिन कंपाउंड सूजन को घटाने में मदद करता है जिससे कि गठिया के मरीजों को आराम मिलता है।

ये उपाय भी हो सकते हैं कारगर

यूरिक एसिड का बढ़ना जिसे आम भाषा में हाइपरयूरिसेमिया भी कहते हैं, एक जीवन शैली से जुड़ा रोग है। अपनी दिनचर्या में सुधार लाकर इस रोग पर काबू पा सकते हैं। सबसे जरूरी है कि लोगों को वजन पर संतुलन रखना चाहिए। ज्यादा मीठा खाना, प्रोटीन की अधिकता और शराब के सेवन से बचना चाहिए। हेल्दी रहने के लिए लोगों को शारीरिक गतिविधियों को भी अहमियत देनी चाहिए। इनसे बना लें दूरी यूरिक एसिड का स्तर शरीर में प्यूरीन नामक प्रोटीन की अधिकता के कारण बढ़ जाता है। कुछ खाद्य पदार्थों में ये प्रोटीन अधिक मात्रा में पाया जाता है, ऐसे में उनसे दूरी बना लेना जरूरी है।

हरा मटर, मछली, समुद्री भोजन, मटन, बीन्स, दाल, फैट मिल्क, पोर्क, टर्की, गोभी

डायबिटीज के मरीज इन 7 बातों का रखें विशेष ध्यान

शरीर में इन्सुलिन हार्मोन के स्रावण में कमी से डायबिटीज रोग होता है। डायबिटीज आनुवांशिक या उम्र बढ़ने पर या मोटापे के कारण या तनाव के कारण हो सकता है। डायबिटीज ऐसा रोग है जिसमें व्यक्ति को काफी परहेज से रहना होता है। बदपरहेजी करने के दूरगामी परिणाम बुरे होते है। इसके अलावा कुछ बातों का विशेष ध्यान रखना जरूरी है, जानिए -

1. मधुमेह के रोगी का आहार केवल पेट भरने के लिए ही नहीं होता, उसके शरीर में ब्लड शुगर की मात्रा को संतुलित रखने में सहायक होता है। चूंकि यह रोग मनुष्य के साथ जीवन भर रहता है इसलिए जरूरी है कि वह अपने खानपान पर हमेशा ध्यान रखा जाए। आमतौर मरीज ब्लडशुगर की नार्मल रिपोर्ट आते ही लापरवाह हो जाता है। मधुमेह के मरीज के मुंह में गया हर कौर उसके स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। इसलिए जो भी खाएं सोच समझकर खाएं।

2. मधुमेह के रोगी को आंखों व किडनी के रोग, सुन्नपन आना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए सदैव यही प्रयत्न करना चाहिए कि ब्लड ग्लूकोज लेवल फास्टिंग 70-110 मिलीग्राम/ डीएल व खाना खाने के 2 घंटे बाद का 100-140 मिलीग्राम डीएल बना रहे। इसके लिए इन्हें खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। 45 मिनट से 1 घंटा तीव्र गति से पैदल चलना या अन्य कोई भी व्यायाम करना चाहिए। सही समय पर दवाई या इंसुलिन लेना चाहिए। डायबिटिक व्यक्ति को अपने वजन व लंबाई के अनुसार प्रस्तावित कैलोरीज से 5 प्रश कम कैलोरी का सेवन करना चाहिए।

उदाहरण के तौर पर यदि किसी व्यक्ति की लंबाई 5 फुट 4 इंच है तो उसका आदर्श वजन 55 किग्रा होना चाहिए। व्यक्ति की क्रियाशीलता यदि कम है, जैसे कि वह बैठे-बैठे कार्य करता है तो उसे 2400 कैलोरी लेना चाहिए।

3. डायबिटिक हो तो इसका 5 प्रश कम अर्थात 2280 कैलोरी आहार उसके लिए सही रहेगा। यदि वह मोटा हो तो उसे 200-300 कैलोरी और घटा देना चाहिए। ब्लड ग्लूकोज लेवल फास्टिंग 70-110 मिलीग्राम/ डीएल व खाना खाने के 2 घंटे बाद का 100-140 मिलीग्राम डीएल बना रहे। इसके लिए इन्हें खान-पान का विशेष ध्यान रखना चाहिए। 45 मिनट से 1 घंटा तीव्र गति से पैदल चलना या अन्य कोई भी व्यायाम करना चाहिए।

सामान्य डायबिटिक व्यक्ति को अपने आहार में कुल कैलोरी का 40 प्रश कार्बोहाइड्रेटयुक्त पदार्थों से, 40 प्रतिशत फेट (वसा) युक्त पदार्थों से व 20 प्रतिशत प्रोटीनयुक्त पदार्थों से लेना चाहिए। एक वयस्क अधिक वजनी डायबिटिक व्यक्ति को 60 प्रत?शत कार्बोहाइड्रेट से, 20 प्रतिशत फेट से व 20 प्रतिशत प्रोटीन से कैलोरी लेना चाहिए।

4. डायबिटिक व्यक्ति को प्रोटीन अच्छी मात्रा में व उच्च गुणवत्ता वाला लेना चाहिए जैसे दूध, दही, पनीर, अंडा, मछली, सोयाबीन आदि का सेवन करना चाहिए। इंसुलिन ले रहे डायबिटिक व्यक्ति एवं गोलियां ले रहे डायबिटिक व्यक्ति को खाना सही समय पर लेना चाहिए। ऐसा न करनेपर हायपोग्लाइसीमिया हो सकता है, जिसके लक्षण निम्न हैं -

(1) कमजोरी लगना (2) अत्यधिक भूख लगना

(3) पसीना आना (4) नजर से धुंधला या डबल दिखना

(5) हृदयगति तेज होना (6) झटके आना एवं गंभीर स्थिति होने पर कोमा भी हो सकता है।

5. डायबिटिक व्यक्ति को हमेशा अपने साथ कोई मीठी चीज जैसे ग्लूकोज, शकर, चॉकलेट, मीठे बिस्किट में से कुछ रखना चाहिए एवं ऐसे लक्षण होने पर तुरंत इनका सेवन करना चाहिए। एक सामान्य डायबिटिक व्यक्ति को अपने आहार में निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए कि वे थो ?ी-थोड़ी देर में कुछ खाते रहें। दो या ढाई घंटे में कुछ खाएं। एक समय पर बहुत सारा खाना न खाएं।

6. सतले हुए पदार्थ, मिठाइयां, बेकरी के पदार्थों से परहेज करें। दूध सदैव डबल टोन्ड (स्किम्ड मिल्क) का प्रयोग करें। कम कैलोरीयुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें जैसे भुना चना छिलके वाला, परमल, अंकुरित अनाज, सूप, सलाद आदि का ज्यादा सेवन करें। दही (स्किम्ड मिल्क) से बनाया हुआ ले सकते हैं। छाछ का सेवन श्रेयस्कर होता है। मैथीदाना (दरदरा पिसा हुआ) 1/2-1 चम्मच खाना खाने के 15-20 मिनट पहले लेने से शुगर कंट्रोल में रहती है व फायदा होता है। रोटी के आटे को बिना चोकर निकाले प्रयोग में लाएं व इसकी गुणवत्ता बढ़ाने के लिए इसमें सोयाबीन मिला सकते हैं।

7. घी व तेल का सेवन दिनभर में 20 ग्राम (4 चम्मच) से ज्यादा नहीं होना चाहिए। अत: सभी सब्जियों को कम से कम तेल का प्रयोग करके नॉनस्टिक कुकवेयर में पकाना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां खाना चाहिए। अपनी कैलोरीज का निर्धारण कुशल डायटिशियन से बनाकर उसके अनुसार चलें तो अवश्य ही लाभ होगा व भोजन में विकल्प ज्यादा मिल सकते हैं जिससे आपका भोजन वैरायटी वाला हो सकता है व बोरियत नहीं होगी।

- प्रस्तुति संदीप शर्मा

`मैदान के अंदर और बाहर एकजुट। बता दें कि रोनाल्डो को बुधवार को स्वीडन के खिलाफ पुर्तगाल के नेशन्स लीग मैच से बाहर कर दिया गया है और अब वह पृथकवास में हैं।

स्पोर्ट्स प्लैनट

27 नवंबर से 19 जनवरी तक ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रहेगी विराट की टीम, पहला टेस्ट एडिलेड में डे नाइट होगा

•ब्रिस्बेन/ब्यूरो

टीम इंडिया के ऑस्ट्रेलिया दौरे का ऑफिशियल शेड्यूल जारी हो गया है। दौरे में तीन वनडे, तीन टी-20 और चार टेस्ट खेले जाएंगे। पहला टेस्ट एडिलेड में डे नाइट होगा। ये 17 से 21 दिसंबर तक खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट मेलबोर्न में 26 से 30 दिसंबर तक खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट सिडनी में 7 से 11 जनवरी और चौथा टेस्ट मैच ब्रिस्बेन में 15-19 जनवरी तक होगा। वनडे और टी-20 सीरीज सिडनी और कैनबरा में ही खेली जाएगी। पहले दो वनडे मैच सिडनी में 27 और 29 नवंबर को खेले जाएंगे। जबकि फाइनल वनडे मैच कैनबरा के मानुका ओवल में 2 दिसंबर को खेला जाएगा। पहला टी-20 मैच 4 दिसंबर कैनबरा में ही होगा। उसके बाद टीम सिडनी लौटेगी। जहां बचे हुए दो टी-20 मैच खेले जाएंगे। आईपीएल खत्म होने के बाद भारतीय टीम और

आईपीएल में खेल रहे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी सीधे सिडनी पहुंचेंगे। वहां पर उन्हें 14 क्वारैंटाइन रहना होगा। वह क्वारैंटाइन पीरियड में भी ट्रेनिंग कर सकेंगे।

इसके लिए पिछले हफ्ते क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने न्यू वेल्स की सरकार के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ निक हॉकले ने कहा, इंडिया और ऑस्ट्रेलिया तीनों फॉर्मेट में एक-दूसरे के लिए सबसे बड़े चैलेंजर हैं। हम विराट की टीम का स्वागत करते हैं। हमने बीसीसीआई के साथ इस टूर को प्लान किया है। क्रिसमस के बाद पहले हफ्ते में बॉक्सिंग डे टेस्ट शुरू होगा। इसमें फैन्स को एंट्री मिल सकती है। हॉकले ने कहा- बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच में फैन्स की सुरक्षित एंट्री को लेकर विक्टोरियन गवर्नमेंट और मेलबोर्न क्रिकेट क्लब के साथ बातचीत कर रहे हैं।

लंका प्रीमियर लीग को लगा बड़ा झटका! रसेल, फाफ डुप्लेसिस और डेविड मिलर टूर्नामेंट से हटे

• कोलंबो/ब्यूरो

फाफ डुप्लेसिस, आंद्रे रसेल और डेविड मिलर सहित पांच विदेशी खिलाड़ी पहली लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) से हट गये हैं जो इस प्रतियोगिता के आयोजकों के लिये करारा झटका है। दक्षिण अफ्रीका के मिलर और डुप्लेसिस तथा इंग्लैंड के डेविड मलान इन दोनों टीमों के बीच सीमित ओवरों की शृंखला के कारण इस लीग में नहीं खेल पाएंगे वहीं वेस्टइंडीज के रसेल घुटने की चोट के कारण हट गये हैं। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज मानविंदर बिस्ला 21 नवंबर से 13 दिसंबर तक होने वाले इस टूर्नामेंट से हटने वाले पांचवें विदेशी खिलाड़ी हैं।

बिस्ला ने इंडियन प्रीमियर लीग में भी 35 मैच खेले हैं। रसेल, मिलर, डुप्लेसिस और मलान को मार्की खिलाड़ी के तौर पर चुना गया था। उनका हटना टूर्नामेंट के लिये करारा झटका है। इससे कोलंबो किंग्स फ्रेंचाइजी सबसे अधिक प्रभावित होगी जिसकी टीम में रसेल, डुप्लेसिस और बिस्ला तीनों शामिल थे। मलान जाफना स्टैलियन्स की टीम में थे।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN-453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)

Editor: ATUL SHARMA*

*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.